

- |     |                                     |               |
|-----|-------------------------------------|---------------|
| 150 | ἔπω μοί σοι κῶς καὶ τί πρᾶγμα ;     | ?             |
|     | αὗτις οὐδάμ' ἔλθω .                 | cr. ba.       |
|     | καὶ νῦν ἐμὸς δεσπότης               | ia. cr.       |
|     | δεῦρό μ' ἐνθάδ' ἥξει .              | cr. ba.       |
|     | τὰ λοιπὰ δ' οὐκέτι, πάτερ,          | ia. cr.?      |
| 155 | οὐκέτι μαχέσ' αὗτις ἐνθάδ' ἔρχω ,   | tro. cr. ba.? |
|     | ἀλλὰ κάθω .                         | cho.          |
|     | ἐγώ σοι μὲν δεῦρ', ἐγὼ              | ba. ia.       |
|     | κεῖσε παρὰ Σάρδι, παρὰ Σοῦσα,       | ?             |
|     | Ἄγβάτανα ναίων .                    | ?             |
| 160 | Ἄρτιμις ἐμὸς μέγας θεὸς             | 2 ia.         |
|     | παρ' Ἔφεσον φυλάξει .               | cr. ba.       |
|     | οἱ δ' ἐπεὶ παλίμπορον φυ-           | 2 tro.        |
|     | γὴν ἔθεντο ταχύπορον ,              | lec.          |
|     | αὐτίκα μὲν ἀμφιστόμους ἄ-           | ia. tro.      |
| 165 | κοντας ἐκ χερῶν ἔριπτον ,           | 2 tro.        |
|     | δρύπτετο δὲ πρόσωπ' ὅνυξι .         | „             |
|     | Περσίδα στολὴν περὶ στέρ-           | „             |
|     | νοις ἔρεικον εὺνφῆ ,                | lec.          |
|     | σύντονος δ' ἄρμόζετ' Ἀσιὰς          | 2 tro.        |
| 170 | οἰμωγὰ τπολυστόνωιτ ,               | [ ]           |
|     | κτυπεῖ δὲ πᾶσα Βασιλέως πανήγυρις   | 3 ia.         |
|     | φόβωι τὸ μέλλον εἰσορώμενοι πάθος . | „             |
|     | ό δὲ παλινπόρευτον ὡς ἐσ-           | 2 tro.        |